मध्य प्रदेश में प्री-मानसून सक्रिय, राजधानी समेत कई जिलों में बारिश और तेज आंधी

रायसेन में उड़े मकानों के छप्पर, सीहोर में बिजली आपूर्ति बाधित, 18 जून तक मानसून की एंट्री की संभावना

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश में प्री-मानसूनी गतिविधियां लगातार सक्रिय बनी हुई हैं। रविवार को राजधानी भोपाल सहित कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई। कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी बाधित रही।

राजधानी भोपाल, रायसेन, सीहोर, इंदौर और खरगोन सहित कई जिलों में बारिश हुई। रायसेन जिले में तेज आंधी के चलते कई मकानों के छप्पर उड़ गए। सीहोर में बिजली लाइनों पर असर पड़ने से कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। वहीं खरगोन जिले में किसानों को निंदाई और बुआई कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सक्रिय ट्रफ और प्री-मानसूनी सिस्टम के कारण अगले कुछ दिनों तक मौसम का यही

मिजाज बना रह सकता है। मौसम केंद्र भोपाल ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य गति से कुछ दिन पीछे चल रहा है, लेकिन इसके 18 जून तक मध्य प्रदेश में प्रवेश करने की संभावना है।

मौसम विभाग ने रविवार के लिए शिवपुरी और अशोकनगर जिलों में तेज आंधी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा ग्वालियर, गुना, दतिया, मुरैना, भिंड, श्योपुर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, सागर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, जबलपुर, कटनी, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी सहित कई जिलों में बारिश और गरज-चमक की संभावना जताई गई है।

प्रदेश में अगले चार दिनों तक आंधी, बारिश और बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। दूसरी ओर इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, हरदा, खंडवा और बुरहानपुर जिलों में उमस और गर्मी का असर भी महसूस किया जा सकता है।

विशेषज्ञों ने किसानों और आम नागरिकों को मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने तथा खराब मौसम के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है। वहीं मानसून की संभावित एंट्री को देखते हुए कृषि क्षेत्र में तैयारियां भी तेज हो गई हैं।

मध्यप्रदेश के चार पारंपरिक उत्पादों को मिली राष्ट्रीय पहचान

भोपाली बटुए और जरी क्राफ्ट को जीआई टैग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्पकला को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। नाबार्ड के सहयोग से राज्य के चार विशिष्ट उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया गया है। इससे इन उत्पादों की विशिष्ट पहचान को संरक्षण मिलने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनकी पहुंच मजबूत होगी। जीआई टैग प्राप्त करने वाले उत्पादों में छतरपुर जिले का खजुराहो मेटल क्राफ्ट, धार जिले की मालवा पेंटिंग, राजगढ़ जिले की सारंगपुर हैंडलूम साड़ी एवं फैब्रिक्स तथा भोपाल का भोपाली बटूआ एवं जरी क्राफ्ट शामिल हैं। ये सभी उत्पाद अपने क्षेत्र की विशिष्ट कला, संस्कृति और पारंपरिक कौशल का प्रतिनिधित्व करते हैं। नाबार्ड ने इस पूरी प्रक्रिया में वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन तथा शिल्पकार समूहों और संबंधित संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं मध्यप्रदेश शासन के एमएसएमई विभाग तथा जीआई विशेषज्ञ रजनीकांत के तकनीकी सहयोग को भी इस सफलता में अहम माना जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार जीआई टैग मिलने से इन उत्पादों की ब्रांड पहचान मजबूत होगी और नकली उत्पादों पर नियंत्रण लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा, जिससे उनकी आय और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

नाबार्ड ने कहा है कि ग्रामीण उद्यमिता, पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को निरंतर समर्थन दिया जाएगा। यह उपलब्धि राज्य के शिल्पकारों और पारंपरिक कला से जुड़े समुदायों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी।

राज्य डेटा सुरक्षा को मजबूत बनाने पर उच्चस्तरीय कार्यशाला आज

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सोमवार को ''राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क को सुदृढ़ बनाने'' विषयक विभागीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाली इस कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड तथा मध्यप्रदेश कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (एमपी-सीईआरटी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), तकनीकी विशेषज्ञ, नीति निर्माता, साइबर कानून विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

कार्यशाला में साइबर सुरक्षा से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों, उभरते डिजिटल खतरों, डेटा संरक्षण, डिजिटल शासन प्रणालियों की सुरक्षा तथा सुरक्षित डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

साथ ही डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) अधिनियम, डेटा गोपनीयता, नेटवर्क सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और ई-गवर्नेंस प्रणालियों की सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

विशेषज्ञ विभागों के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं, व्यावहारिक अनुभवों और भविष्य की रणनीतियों को साझा करेंगे। अधिकारियों को विभिन्न समूहों में विभाजित कर जोखिम मूल्यांकन, डेटा सुरक्षा, डीपीडीपी अनुपालन, लेगेसी सिस्टम के आधुनिकीकरण तथा एमपी-सीईआरटी की भूमिका पर विचार-विमर्श कराया जाएगा।

कार्यशाला से प्राप्त सुझावों और अनुशंसाओं के आधार पर राज्य की साइबर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी। यह पहल सुरक्षित, विश्वसनीय और जवाबदेह डिजिटल प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को कर रही है प्रोत्साहित

एमएसएमई क्षेत्र अर्थव्यवस्था की रीढ़ : मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार हैं और प्रदेश सरकार रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश में एक करोड़ एमएसएमई इकाइयां स्थापित करने का लक्ष्य घोषित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित 'समृद्ध एमएसएमई-विकसित मध्यप्रदेश' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सिंगल क्लिक के

माध्यम से 900 एमएसएमई इकाइयों को 360 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि वितरित की। साथ ही विभिन्न औद्योगिक योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभ प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक रूप से नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बीते 12 वर्षों में एमएसएमई क्षेत्र का व्यापक विकास हुआ है, जिससे लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 24 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित हैं, जिनमें सवा करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इनमें बड़ी संख्या में महिला उद्यमी भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि आगामी ढाई वर्षों में एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए 4,500 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। निवेश प्रोत्साहन, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए विशेष अनुदान तथा महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के उद्यमियों को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

भारत ने विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित किए : डॉ. सिंह

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शाजापुर जिले में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद करते हुए केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सेवा और सुशासन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र आज धरातल पर दिखाई दे रहा है और देश का प्रत्येक नागरिक आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के निर्माण में

अपनी भूमिका निभाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा, आधारभूत संरचना, डिजिटल सेवाओं और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आतंकवाद के विरुद्ध अन्य निर्णायक कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नया भारत अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के मुद्दों पर किसी प्रकार का समझौता नहीं करता।

डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि देशभर में एक्सप्रेस-वे, रेलवे नेटवर्क, मेट्रो परियोजनाओं, हवाई अड्डों और डिजिटल कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हुआ है। इससे विकास को नई गति मिली है और भारत वैश्विक मंच पर मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने नई शिक्षा नीति, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। विकसित भारत-2047 का लक्ष्य केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का साझा संकल्प है। कार्यक्रम से पूर्व डॉ. महेन्द्र सिंह ने देवास जिले में मां तुलजा भवानी एवं मां चामुंडा मंदिर में दर्शन-पूजन किया तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया।

अपराध नियंत्रण और ड्रग मुक्त मध्यप्रदेश पर मंथन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पुलिस मुख्यालय भोपाल में आयोजित जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक तथा विशेष सशस्त्र बल (विसबल) जोनों की दो दिवसीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक रविवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने की। इस दौरान अपराध नियंत्रण, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, न्यायालयीन प्रकरणों, पुलिस आधुनिकीकरण तथा साइबर और तकनीकी संसाधनों के उपयोग से जुड़े विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में डीजीपी मकवाणा ने बेहतर पुलिसिंग, सुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित न्यायालयीन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, ई-ऑफिस प्रणाली के शत-प्रतिशत उपयोग, विभागीय जांचों में तेजी तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक मामलों का समयबद्ध समाधान पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाएगा।

डीजीपी ने प्रदेश में सीसीटीवी नेटवर्क को मजबूत करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा तंत्र विकसित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सेफ सिटी और सेफगार्ड योजनाओं के तहत कैमरों की निगरानी और उपयोग को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। नवगठित जिलों में भी सीसीटीवी नेटवर्क विस्तार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। बैठक में नशे के खिलाफ अभियान को लेकर विशेष चर्चा हुई। डीजीपी ने अगले तीन वर्षों में 'ड्रग फ्री मध्यप्रदेश' का लक्ष्य हासिल करने का संकल्प दोहराते हुए 15 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक प्रदेशभर में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान चलाने की घोषणा की। शैक्षणिक संस्थानों के आसपास के क्षेत्रों को चरणबद्ध तरीके से ड्रग फ्री जोन बनाने पर भी जोर दिया गया।

समीक्षा बैठक में महिलाओं के विरुद्ध अपराध, हत्या, डकैती, साइबर अपराध, एनडीपीएस प्रकरणों, पुलिस आवास योजना, प्रशिक्षण, मानव संसाधन प्रबंधन और पुलिस आधुनिकीकरण योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को तकनीक आधारित और परिणामोन्मुख पुलिसिंग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए।

सत्ता के गलियारे...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• अपने घर का विभीषण तलाशिए...

राज्यसभा चुनाव के बाद विपक्ष की हालत उस परिवार जैसी हो गई है, जहां चोरी बाहर से नहीं, भीतर से होने का शक हो। सत्ता पक्ष के मुखिया ने मुस्कुराते हुए इतना भर कह दिया कि 'जानकारी तो विपक्ष के ही किसी शुभचिंतक ने पहुंचाई थी।' बस फिर क्या था, हार का पोस्टमार्टम छोड़ विपक्ष अब अपने-अपने घरों में विभीषण खोज अभियान चला रहा है। जिसने ज्यादा निष्ठा दिखाई, वही सबसे ज्यादा संदेह के घेरे में है।

• जीत की फसल, श्रेय के दावेदार अनेक...

जैसे ही राजनीतिक बाजी सत्ता पक्ष के पक्ष में गई, सफलता की फसल काटने के लिए कई चेहरे दरांती लेकर मैदान में उतर आए। हर कोई बता रहा है कि असली रणनीतिकार वही था। जबकि जानकार कहते हैं कि इतिहास कुछ और लिख रहा है। जरूरत से ज्यादा विधायक होने के बावजूद विपक्ष को उसी के घर में मात देना कोई मामूली खेल नहीं था। अब विपक्ष हार से कम और अपने ही अंकगणित से ज्यादा परेशान है।

• जिम्मेदारी आई, जिम्मेदार गायब...

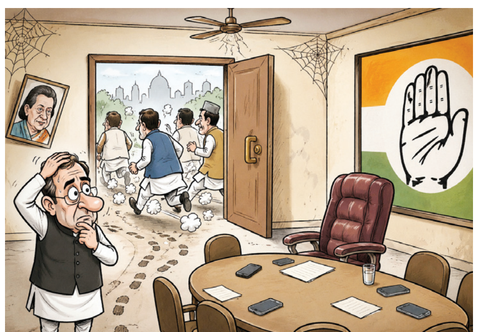

पद मिलते ही लोग कहते हैं कि जिम्मेदारी बढ़ गई है। लेकिन जब पार्टी को ताकत दिखाने का मौका आया तो कुछ जिम्मेदार महानुभाव ऐसे गायब हुए, मानो मोबाइल की लोकेशन ही बंद हो गई हो। अब पार्टी के गलियारों में चर्चा है कि उनकी निष्ठा पार्टी के साथ थी या किसी और संभावना के साथ।

• ऐसा भी होता है...

सत्ता के शीर्ष नेतृत्व के एक फैसले ने विरोधियों को भी हैरत में डाल दिया। चर्चा यह है कि जिस कार्यकर्ता को कभी मंच पर पीछे जगह मिलती थी, आज वही सुर्खियों के केंद्र में है। बुंदेलखंड की मिट्टी से निकले उस साधारण कार्यकर्ता को मिला सम्मान कई लोगों को यह याद दिला गया कि राजनीति में कभी-कभी गणित नहीं, नेतृत्व का मन भी चलता है। और यही बात कई अनुभवी चेहरों की नींद उड़ाए हुए है।

• दिल है कि सरकारी प्रोटोकॉल नहीं मानता...

सरकार के एक अत्यंत महत्वपूर्ण पद पर बैठे माननीय इन दिनों अपनी सरकारी कॉलोनी से सटी एक निजी कॉलोनी में नियमित दर्शन दे रहे हैं। संयोग यह है कि मोहतरमा का कार्यक्षेत्र अलग है और माननीय का अलग। लेकिन राजनीति में संयोग सबसे बड़ा विषय होता है। मोहल्ले के लोग अब चाय कम और चर्चाएं ज्यादा करने लगे हैं। कहते हैं कि रास्ता छोटा हो सकता है, लेकिन चर्चा बहुत लंबी हो जाती है।

• सैंया भये कोतवाल...

राजधानी से लगे एक जिले के साहब इन दिनों सबकी आंखों की किरकिरी बने हुए हैं। शिकायतों की फाइलें ऊपर तक जाती हैं, लेकिन लौटते समय और भी हल्की होकर वापस आ जाती हैं। वजह पूछने पर अनुभवी लोग बस मुस्कुरा देते हैं और पुरानी कहावत दोहरा देते हैं— 'सैंया भये कोतवाल तो डर काहे का।' बाकी सब समझदार हैं, इशारा काफी है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com